जैकलीन ने रचा स्टारडम का नया इतिहास

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस ने फिल्म वेलकम टू द जंगल की सफलता और अपने एआई अवतार के लॉन्च के साथ मनोरंजन जगत में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और प्रभावशाली उपस्थिति को एक बार फिर रेखांकित किया है। जैकलीन ने पिछले कुछ वर्षों में न केवल व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों में अपनी पहचान मजबूत की है, बल्कि तकनीक, संगीत, फैशन और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी अलग छाप छोड़ी है. वेलकम टू द जंगल, हाउसफुल 5 और फतेह जैसी फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने उन्हें उद्योग की भरोसेमंद और लोकप्रिय कलाकारों में शामिल किया है.

जैकलीन ने अपने एआई अवतार के लॉन्च के माध्यम से डिजिटल मनोरंजन और नई तकनीकों को अपनाने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है. इसे उनके करियर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में देखा जा रहा है, जो उन्हें उन चुनिंदा भारतीय कलाकारों में शामिल करता है जो पारंपरिक सिनेमा के साथ-साथ भविष्य की तकनीकों को भी अपनाने का प्रयास कर रहे हैं. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी जैकलीन की पहचान लगातार मजबूत हुई है. उन्होंने इटैलियन ग्लोबल सीरीज़ फेस्टिवल, रेड सी फिल्म फेस्टिवल के 'विमेन इन सिनेमा' कार्यक्रम, पेरिस फैशन वीक, लंदन फैशन वीक और विंबलडन जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है. उन्हें एले ग्लोबल एंटरटेनर अवॉर्ड जैसे सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है. संगीत के क्षेत्र में भी जैकलीन ने कई लोकप्रिय गीतों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है.

चिट्टियां कलाइयां, लत लग गई, मनी मनी और डम डम जैसे गीतों ने उन्हें दर्शकों के बीच खास लोकप्रियता दिलाई है. फिल्मों के अलावा फैशन, फिटनेस, परोपकारी गतिविधियों, लाइव प्रस्तुतियों और डिजिटल अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जैकलीन ने खुद को एक बहुआयामी कलाकार के रूप में स्थापित किया है.

इमरान संग लौटा 'ये आवारापन' का जादू

विशेष फिल्म्स और सोनी म्यूज़िक इंडिया ने 'अवारापन 2' का बहुप्रतीक्षित टाइटल ट्रैक 'ये आवारापन' रिलीज़ कर दिया है. फिल्म का यह नया गीत रिलीज़ के साथ ही सोशल मीडिया और म्यूज़िक प्लेटफॉर्म्स पर चर्चा में आ गया है. इससे पहले फिल्म का पहला गीत 'वे जुनून' यूट्यूब पर 30 मिलियन से अधिक व्यूज़ हासिल कर चुका है.

इसके अलावा यह यूट्यूब ट्रेंडिंग में दूसरे स्थान तक पहुंचा और स्पॉटिफाई इंडिया के टॉप-100 चार्ट में भी अपनी जगह बनाने में सफल रहा. ये आवारापन' की सबसे बड़ी ताकत इसकी भावनात्मक गहराई है. अरिजीत सिंह की आत्मा को छू लेने वाली आवाज़, आमाल मलिक का सुकून भरा संगीत और रश्मि विराग के दिल से निकले बोल मिलकर ऐसा माहौल रचते हैं, जो प्यार, अधूरी चाहत, दर्द और उम्मीद की भावनाओं को बेहद प्रभावशाली ढंग से सामने लाता है. गीत की सादगी ही इसकी सबसे बड़ी खूबसूरती बनकर उभरती है और यही वजह है कि यह सुनने वालों के दिल में लंबे समय तक अपनी जगह बना लेता है. म्यूज़िक वीडियो में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में दिखाई देते हैं. उनकी भावनात्मक अभिव्यक्ति और स्क्रीन प्रेजेंस गीत को और अधिक प्रभावशाली बनाती है. वीडियो का हर दृश्य कहानी के साथ गहराई से जुड़ता है और दर्शकों को किरदार की भावनात्मक यात्रा का हिस्सा बना देता है.

लॉक अप 2 में छाई अर्जुन कपूर की होस्टिंग

अभिनेता अर्जुन कपूर ने रियलिटी शो 'लॉक अप' के दूसरे सीज़न में अपनी मेहमान होस्टिंग से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है. शो के हालिया एपिसोड में उन्होंने होस्ट रितेश देशमुख और फराह खान के साथ मंच साझा किया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी प्रस्तुति की जमकर सराहना हो रही है.

एपिसोड में अर्जुन कपूर ने 'इल्ज़ाम 2.0', रोचक सवालों और 'जनता की आवाज़' जैसे सेगमेंट के माध्यम से शो में नया उत्साह जोड़ा. दर्शकों ने उनकी सहजता, हाज़िरजवाबी और प्रतिभागियों के साथ संवाद स्थापित करने की क्षमता की प्रशंसा की है. सोशल मीडिया पर एक दर्शक ने लिखा कि अच्छे होस्ट वही होते हैं जो बातचीत का हिस्सा महसूस होते हैं, न कि उसे नियंत्रित करने की कोशिश करते हैं, और अर्जुन कपूर में यही विशेषता दिखाई देती है. वहीं अन्य दर्शकों ने कहा कि उनकी मौजूदगी से प्रतिभागी सहज महसूस करते हैं, जो किसी भी सफल होस्ट की महत्वपूर्ण पहचान होती है. कुछ प्रशंसकों ने अर्जुन कपूर की स्क्रीन प्रेजेंस, आत्मीयता और हास्यबोध की भी सराहना की. कई दर्शकों ने यह राय व्यक्त की कि उन्हें भविष्य में पूरे शो की मेज़बानी करते हुए देखना दिलचस्प होगा. नेटफ्लिक्स पर प्रसारित हो रहे इस एपिसोड को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है. सोशल मीडिया पर सामने आई प्रतिक्रियाओं से

जॉन अब्राहम ने खरीदा बांद्रा में लग्जरी बंगला

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम ने मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा वेस्ट में लगभग 84 करोड़ रुपये की लागत से एक शानदार फ्रीहोल्ड रिहायशी बंगला खरीदकर एक बार फिर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है. यह संपत्ति सेंट मार्टिन रोड पर स्थित है, जिसे मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित और महंगे रिहायशी इलाकों में गिना जाता है.

इस क्षेत्र में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों और देश के नामी उद्योगपतियों के आलीशान घर मौजूद हैं, जिसके कारण इस इलाके की पहचान देश के सबसे प्रीमियम एड्रेस में होती है. यह प्रॉपर्टी करीब 1,017.60 वर्गमीटर के विशाल प्लॉट पर बनी हुई है. परिसर में लगभग 31.50 वर्गमीटर का आउटहाउस भी शामिल है, जबकि मुख्य बंगले का निर्मित क्षेत्र करीब 193.12 वर्गमीटर बताया जा रहा है.

टेलीविजन हलचल

घर की यादों में खोई 'पुष्पा इम्पॉसिबल' की पूरी कास्ट

सोनी सब के लोकप्रिय धारावाहिक पुष्पा इम्पॉसिबल में इन दिनों भावनात्मक घटनाक्रम देखने को मिल रहा है. शो में दिलीप (जयेश मोरे) द्वारा पुष्पा (करुणा पांडे) की जानकारी के बिना घर गिरवी रख दिए जाने के बाद बैंक द्वारा घर जब्त किए जाने का खतरा मंडरा रहा है. इस संकट ने परिवार को गहरे भावनात्मक दौर से गुजरने पर मजबूर कर दिया है. शो के इस भावुक ट्रैक ने कलाकारों को भी अपने जीवन में घर और उससे जुड़ी यादों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया.

तुलसी की नई चाल से बदलेगी परिवार की किस्मत

लोकप्रिय टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' का आगामी एपिसोड कई बड़े ट्विस्ट लेकर आने वाला है. नकुल और वैष्णवी की शादी के बीच रिश्तों की उलझन, पारिवारिक टकराव और एक ऐसा रहस्य सामने आने की आहट है, जो पूरे शांति निकेतन को हिला सकता है. शादी की रस्मों के बीच तुलसी एक बार फिर परिवार को जोड़ने की कोशिश में जुटी है. वह अपनी सूझबूझ से करण और गौतम को एक साथ लाने की योजना बनाती है. हालांकि करण इस शादी के पक्ष में बिल्कुल नहीं है, लेकिन तुलसी को पूरा विश्वास है कि परिवार की एकता आखिरकार सभी मतभेदों पर भारी पड़ेगी.

कृषि जगत

बरसात में भुट्टा उगाने का जानिए सही तरीका

बारिश का मौसम भुट्टे की खेती के लिए सबसे उपयुक्त समय माना जाता है. इस दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी और अनुकूल तापमान होने से बीजों का अंकुरण तेजी से होता है और पौधों का विकास भी बेहतर होता है. यदि किसान शुरुआत से ही सही तकनीक अपनाएं, तो कम लागत में भी अच्छी गुणवत्ता वाली फसल और बेहतर उत्पादन हासिल किया जा सकता है.

सबसे पहले खेत की अच्छी तरह जुताई कर मिट्टी को भुरभुरी बनाना जरूरी है. इसके बाद खेत में सड़ी हुई गोबर की खाद या कम्पोस्ट मिलाने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पौधों की जड़ें मजबूत बनती हैं. बुवाई के लिए हमेशा प्रमाणित और उन्नत किस्म के बीजों का चयन करना चाहिए, ताकि फसल रोगों के प्रति अधिक प्रतिरोधी हो और उत्पादन भी अधिक मिले.

मानसून के दौरान सबसे बड़ी चुनौती खेत में जलभराव की होती है. यदि लंबे समय तक पानी खेत में जमा रहता है, तो पौधों की जड़ें सड़ने लगती हैं और पूरी फसल खराब हो सकती है. इसलिए खेत में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करना बेहद जरूरी है.

बीजों की बुवाई भी सही दूरी और उचित गहराई पर करनी चाहिए, ताकि हर पौधे को पर्याप्त धूप, हवा और पोषक तत्व मिल सकें. इससे पौधों की बढ़वार अच्छी होती है और भुट्टे का आकार भी बेहतर बनता है. फसल की अच्छी वृद्धि के लिए जैविक खाद के साथ-साथ कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश का संतुलित उपयोग करना चाहिए.

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसान सही समय पर बुवाई, संतुलित पोषण, बेहतर जल निकासी और नियमित देखभाल पर ध्यान दें, तो बारिश के मौसम में भुट्टे की खेती बेहद लाभदायक साबित हो सकती है. बाजार में बरसाती भुट्टे की मांग हमेशा अधिक रहती है, ऐसे में अच्छी गुणवत्ता वाली फसल किसानों को बेहतर दाम दिलाने के साथ उनकी आय में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी कर सकती है.

लाल मिर्च से बनाएं असरदार नेचुरल कीटनाशक

सूखी लाल मिर्च में मौजूद प्राकृतिक तीखे तत्व, खासकर कैप्साइसिन कई प्रकार के कीटों को पौधों से दूर रखने में मदद करते हैं. यही कारण है कि इसे प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में लंबे समय से इस्तेमाल किया जाता रहा है. यदि आपके गार्डन में एफिड्स (माहू), सफेद मक्खी, थ्रिप्स या पत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले छोटे कीट दिखाई दे रहे हैं, तो सूखी लाल मिर्च से तैयार किया गया स्प्रे एक आसान और प्रभावी उपाय हो सकता है. इसे बनाने के लिए 8 से 10 सूखी लाल मिर्च को एक लीटर पानी में 10 से 15 मिनट तक उबालें.

पानी ठंडा होने के बाद इसे अच्छी तरह छान लें और इसमें कुछ बूंदें लिक्विड साबुन या हल्का प्राकृतिक साबुन मिलाएं, ताकि स्प्रे पत्तियों पर अच्छी तरह चिपक सके. इसके बाद इस घोल को स्प्रे बोतल में भरकर पौधों की पत्तियों के ऊपर और नीचे दोनों तरफ हल्के हाथों से छिड़काव करें.

इस स्प्रे का उपयोग हमेशा सुबह जल्दी या शाम के समय करना बेहतर माना जाता है, क्योंकि तेज धूप में छिड़काव करने से पत्तियों को नुकसान पहुंच सकता है. इसके अलावा पहले किसी एक-दो पत्तियों पर इसका परीक्षण कर लें.

बारिश में मुर्गियों का दाना-पानी कैसे रखें सुरक्षित

बारिश के मौसम में मुर्गी पालन के दौरान सबसे अधिक ध्यान दाना और पानी की स्वच्छता पर देना चाहिए. वातावरण में नमी बढ़ने से दाना जल्दी खराब हो सकता है और उसमें फफूंद लगने का खतरा रहता है. ऐसा दाना मुर्गियों के लिए हानिकारक होता है और कई बार गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है. इसलिए मुर्गियों को हमेशा ताजा, सूखा और संतुलित आहार दें तथा दाने को नमी रहित, बंद और साफ स्थान पर ही संग्रहित करें. फीडर में उतना ही दाना डालें, जितना मुर्गियां एक समय में खा सकें, ताकि बचा हुआ दाना खराब न हो. इसी तरह पीने का पानी भी हमेशा साफ, ताजा और ठंडा होना चाहिए. पानी के बर्तनों को प्रतिदिन साफ करें और उनमें बारिश का गंदा पानी या मिट्टी बिल्कुल न जाने दें. यदि संभव हो तो पानी में पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार इलेक्ट्रोलाइट्स या विटामिन सप्लीमेंट भी मिलाए जा सकते हैं, जिससे मुर्गियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बनी रहे. पोल्ट्री शेड में नमी बढ़ने से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं. इसलिए शेड में पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखना, फर्श को सूखा रखना और बिछावन को समय-समय पर बदलना बेहद जरूरी है.

बारिश में खीरे की फसल का रखें खास ध्यान

बारिश के मौसम में खीरे की खेती करते समय सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण सावधानी खेत में पानी की निकासी की व्यवस्था करना है. खीरे की फसल अधिक समय तक जलभराव बिल्कुल सहन नहीं कर पाती. यदि बारिश का पानी खेत में जमा हो जाए तो पौधों की जड़ें सड़ने लगती हैं और फफूंद जनित रोग तेजी से फैल सकते हैं. इसलिए खेत को हल्की ऊंची मेड़ों या उठी हुई क्यारियों पर तैयार करना चाहिए, ताकि अतिरिक्त पानी आसानी से बाहर निकल सके.

बुवाई के लिए हमेशा प्रमाणित और रोग प्रतिरोधी बीजों का चयन करना चाहिए, जिससे फसल में रोग लगने की संभावना कम हो और उत्पादन बेहतर मिले.

वातावरण में नमी अधिक रहने के कारण डाउनी मिल्ड्यू, पाउडरी मिल्ड्यू और पत्ती धब्बा जैसे रोग तेजी से फैलते हैं. इसलिए किसानों को नियमित रूप से पौधों का निरीक्षण करते रहना चाहिए.

यदि पत्तियों पर धब्बे, सफेद परत या सड़न दिखाई दे तो तुरंत कृषि विशेषज्ञ की सलाह के अनुसार जैविक या अनुशंसित फफूंदनाशी का छिड़काव करना चाहिए. साथ ही सफेद मक्खी, एफिड और फल मक्खी जैसे कीटों पर भी नजर रखना जरूरी है, क्योंकि ये फसल की वृद्धि और उत्पादन दोनों को प्रभावित करते हैं.

यंग इंडिया

नीट में 500 से कम स्कोर वालों के लिए बड़े विकल्प

नीट स्नातक परीक्षा में 500 से कम अंक आने का मतलब यह नहीं है कि चिकित्सा क्षेत्र में करियर बनाने का सपना खत्म हो गया. विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे स्कोर पर प्रवेश की संभावना कई बातों पर निर्भर करती है, जिनमें श्रेणी (आरक्षण), राज्य का कोटा, गृह राज्य कोटा, अखिल भारतीय कोटा, काउंसलिंग के चरण और उस वर्ष की कट-ऑफ प्रमुख हैं.

सामान्य वर्ग के अधिकांश छात्रों के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की सीट मिलना कठिन हो सकता है, लेकिन आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को कुछ राज्यों में बेहतर अवसर मिल सकते हैं. वहीं निजी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीट मिलने की संभावना भी बनी रहती है, हालांकि वहां की फीस अपेक्षाकृत अधिक होती है.

450 से 499 अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की अखिल भारतीय रैंक लगभग 90 हजार से 1.80 लाख के बीच हो सकती है. कुछ वर्षों में यह रैंक 50 हजार से 1 लाख के बीच भी देखने को मिली है. यह पूरी तरह परीक्षा के कठिनाई स्तर, परीक्षार्थियों की संख्या और कट-ऑफ पर निर्भर करता है. इसलिए केवल अंकों के आधार पर किसी निश्चित कॉलेज का दावा नहीं किया जा सकता. यदि एमबीबीएस की सीट नहीं मिलती है, तो छात्रों के पास कई अन्य प्रतिष्ठित चिकित्सा पाठ्यक्रम उपलब्ध रहते हैं. इनमें बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (दंत चिकित्सा), बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (आयुर्वेद), बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (होम्योपैथी), बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (यूनानी), बैचलर ऑफ सिद्ध मेडिसिन एंड सर्जरी (सिद्ध चिकित्सा), बैचलर ऑफ वेटरिनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंड्री (पशु चिकित्सा एवं पशुपालन) और बीएससी नर्सिंग जैसे विकल्प शामिल हैं.

इन पाठ्यक्रमों में भी रोजगार और करियर की अच्छी संभावनाएं मौजूद हैं. छात्र चिकित्सा परामर्श प्रक्रिया के दौरान सभी विकल्पों को सावधानीपूर्वक भरें और केवल एमबीबीएस पर ही निर्भर न रहें.

भारतीय सेना में निकली एनसीसी स्पेशल एंट्री भर्ती

भारतीय सेना ने एनसीसी स्पेशल एंट्री स्कीम 125 कोर्स के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है. यह भर्ती विशेष रूप से उन युवाओं के लिए आयोजित की जाती है, जिन्होंने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) में प्रशिक्षण प्राप्त किया है और सेना में अधिकारी बनने की इच्छा रखते हैं.

इस योजना के तहत योग्य अभ्यर्थियों को लिखित परीक्षा में शामिल हुए बिना सीधे चयन प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिलता है. चयनित उम्मीदवारों को शॉर्ट सर्विस कमीशन के अंतर्गत लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति दी जाएगी. भारतीय सेना समय-समय पर विभिन्न शाखाओं के लिए विशेष प्रवेश योजनाएं जारी करती है. इनमें एनसीसी स्पेशल एंट्री सबसे लोकप्रिय योजनाओं में से एक मानी जाती है. इसका उद्देश्य ऐसे प्रशिक्षित युवाओं को सेना में अवसर देना है, जिन्होंने एनसीसी के माध्यम से नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, शारीरिक दक्षता और सैन्य प्रशिक्षण हासिल किया है. इसी कारण सेना को पहले से प्रशिक्षित और अनुशासित अधिकारी मिलते हैं, जो जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने में सक्षम होते हैं.

इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट जॉइन इंडियन आर्मी पर शुरू हो चुकी है. पात्र अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करना होगा. आवेदन के बाद योग्य उम्मीदवारों को सेवा चयन बोर्ड साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. एसएसबी में सफल होने वाले अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच होगी और अंतिम मेरिट सूची के आधार पर चयन किया जाएगा. चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण पूरा करने के बाद लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त किया जाएगा.

पीएनबी में सरकारी नौकरी का सुनहरा मौका

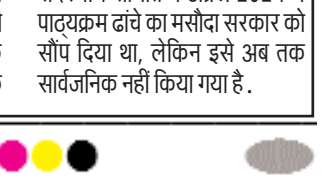

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने 545 लोकल बैंक ऑफिसर पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं. बैंक के मानव संसाधन प्रभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार यह भर्ती जूनियर मैनेजमेंट ग्रेड स्केल-एक के अंतर्गत की जाएगी.

इस भर्ती का उद्देश्य विभिन्न राज्यों में स्थानीय स्तर पर योग्य अधिकारियों की नियुक्ति करना है. ऐसे अभ्यर्थी जो बैंकिंग क्षेत्र में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे हैं और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री रखते हैं, वे इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं. इस भर्ती में चयनित अभ्यर्थियों को आकर्षक वेतनमान दिया जाएगा. प्रारंभिक मूल वेतन 48,480 से शुरू होकर सेवा अवधि और वेतन वृद्धि के साथ लगभग 85,920 तक पहुंच सकता है.

शिक्षक भर्ती में बड़ा बदलाव

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत वर्ष 2030 से स्कूलों में शिक्षक बनने के लिए चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम अनिवार्य कर दिया गया है. यानी वर्ष 2030 के बाद शिक्षक भर्ती के लिए यही डिग्री मान्य होगी. हालांकि इस व्यवस्था के लिए आवश्यक राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम ढांचा अब तक जारी नहीं किया गया है.

नई शिक्षा नीति के अनुसार इसे वर्ष 2021 तक जारी किया जाना था, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी इसकी अधिसूचना जारी नहीं हो सकी है. ऐसे में देशभर के हजारों छात्र बिना आधिकारिक पाठ्यक्रम ढांचे के इस कार्यक्रम में पढ़ाई कर रहे हैं.

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2023-24 में 42 संस्थानों और 3,950 सीटों के साथ इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी. वर्तमान शैक्षणिक सत्र में इसका विस्तार 300 से अधिक संस्थानों और 24,000 से ज्यादा सीटों तक हो चुका है. बताया जा रहा है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की 12 सदस्यीय समिति ने अप्रैल 2024 में पाठ्यक्रम ढांचे का मसौदा सरकार को सौंप दिया था, लेकिन इसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है.